अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) के तहत आय दुगूनी करने के लिए कृषि कार्यो में लघु अंतः क्षेप पर प्रदर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुसूचित जाति की आजीविका में सुधार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना में तीन दिवस के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों ''किसानों की आय दुगूनी करने के लिए कृषि कार्यो में लघु अंतःक्षेप'' का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के दौरान अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) योजना का कार्यान्वयन भी संस्थान के द्वारा किया गया। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन **डॉ. उज्जवल कुमार, निदेशक, भाकृअनुप–आरसीईआर** द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में, माननीय निदेशक महोदय ने किसानों से फसलों की खेती एवं पशुपालन के लिए छोटे हस्तक्षेप के साथ उन्नत तकनीक को अपनाने का आग्रह किया ताकि गुणवत्तापूर्ण उपज के साथ अधिक आय की प्राप्ति हो सके। निदेशक महोदय ने किसानों को वर्तमान समय में चल रही कोविड –19 की महामारी को मद्देनजर रखते हुए स्वच्छता के महत्व को समझाया। प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक: 28 से 30 जुलाई 2021) में कुल 210 किसान लाभन्वित हुए । द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक: 2 से 4 अगस्त 2021) में 180 किसान मौजूद रहे। तृतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (दिनांक: 5 से 7 अगस्त 2021) में 103 किसानों को कृषि की नए तकनीकों से अवगत कराया गया। इस प्रकार इन तीन प्रशीक्षण कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति के कुल 493 किसान लाभन्वित हुए। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान किसानों को स्वच्छता सामग्री (सफेद तौलिए) वितरित किये गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन **डॉ कमल शर्मा, डॉ विकास सरकार (प्रमुख वैज्ञानिक), डॉ रीना कमल, डॉ वेद प्रकाश, डॉ रोहन कुमार रमन, डॉ अभिषेक कुमार दुबे, डॉ पवन जीत, डॉ एन राजू** और **डॉ गोविंद मकराना (वैज्ञानिक)** द्वारा किया गया। इस पुरे कार्यक्रम के दौरान कोविड –19 के सभी मापदंडो की अनुपालना की गई।

कृषक - वैज्ञानिक वार्ता (SCSP)
किसानों की आय दुगूनी करने के लिए कृषि कार्यों में लघु अंतःक्षेप
सह सहयोग सामग्री वितरण कार्यक्रम

कृषक - वैज्ञानिक वार्ता (SCSP)
किसानों की आय दुगूनी करने के लिए कृषि कार्यों में लघु अंतःक्षेप
सह सहयोग सामग्री वितरण कार्यक्रम